Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 196 , 22 दिसम्बर, शुक्रवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

दिल्ली में हल्का कोहरा, 54 ट्रेनों के परिचालन में देरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार सुबह हल्का कोहरा छाए रहने से उत्तर भारत की तरफ जानेवाली 54 ट्रेनें विलंब से चल रही हैं और 12 ट्रेनों के समय परिवर्तित किए गए हैं। मौसम विभाग ने बताया कि न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि इस मौसम के हिसाब से सामान्य तापमान है। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 54 ट्रेनें विलंब से चल रही हैं, वहीं 12 ट्रेनों के परिचालन का समय खराब मौसम को ध्यान में रखते हुए बदला गया है। कोहरे से खराब दृश्यता के कारण हवाई यातायात पर भी असर पड़ा है। सुबह आठ बजकर 30 मिनट पर दृश्यता 800 मीटर और आर्दता 88 फीसदी दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दिन भर आसमान साफ रहने और अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान व्यक्त किया है।

अनशन पर बैठी नसरें की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुबंध रद्द कर सेवाएं समाप्त करने के विरोध और पुर्नबहाली की मांग को लेकर लेडीहार्डिंग मेडिकल कॉलेज से संबंद्ध लेडी हार्डिंग अस्पताल अनशन पर बैठी नसरे का अनशन तीसरे दिन भी जारी रहा। बुधवार को महीमा, राजरानी, मोनिका नामक तीन नसरे की तबियत खराब हो गई जब कि दो अन्य नर्स तो धरनास्थल पर बेहोश हो गई। इनमें एक मेल नर्स मिथुन जबकि दुसरे का नाम रानी बताया गया। इसके पीछे मौसम की आर्द्रता में गिरावट इस पर भूखी रहकर हवा में बैठना बताया जा रहा है। तीनों को इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। इनमें से चार पांच घंटे आब्जरवेशन और ग्लूकोज चढ़ाने के बाद जब नसरे की तबियत में हल्का सुधार दर्ज किया गया तो वे पुन: जाकर भूख हड़ताल पर बैठ गई।

यूपी में शिक्षकों की भर्ती में बढ़ सकते हैं 16 हजार पद

लखनऊ। फरवरी में होने वाली 68,500 शिक्षक भर्ती परीक्षा में 16 हजार से ज्यादा पद बढ़ सकते हैं। राज्य सरकार ने हाई कोर्ट में पहले से चल रही शिक्षक भर्तियों में बची हुई रिक्तियों पर लिखित परीक्षा से भर्ती करवाने के लिए विशेष अपील की है। सरकार ने विशेष अपील में कहा है कि ये भर्तियां लम्बे समय से चल रही हैं लेकिन अभी तक पूरी नहीं हो पाई हैं। इस बीच शिक्षक भर्ती नियमावली में बदलाव हो गए हैं यानी भर्ती के नियम बदल गए हैं लेकिन ये भर्तियां पुराने नियमों के मुताबिक ही हो रही हैं। इसलिए बची हुई रिक्तियों पर नए सिरे से भर्ती करवाने की अनुमति दी जाए। अगर उच्च न्यायालय से सरकार के पक्ष में फैसला आएगा तो 16 हजार से ज्यादा रिक्त पद फरवरी में होने वाली 68,500 शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में जुड़ जाएंगे। भर्ती के लिए लिखित परीक्षा फरवरी में होनी है। भर्तियां शैक्षिक गुणांक पर हो रही हैं। ये भर्तियां 2013 से चल रही हैं और अभी तक पूरी नहीं हो पाई हैं। सरकार चाहती है कि बचे पदों पर नए सिरे से भर्ती हो यानी ये रिक्तियां नई मानी जाएंगी। पुरानी भर्तियों में जिन पदों पर अभी तक भर्तियां नहीं हुई हैं उनमें भाषा अध्यापकों से बचे हुए पद हैं। 12460 और 4000 शिक्षक भर्ती में एक भी नियुक्ति पत्र जारी नहीं हुआ है लिहाजा ये सभी पद रिक्त हैं। वहीं अन्य शिक्षक भर्तियों में ज्यादातर आरक्षित वर्ग के पद रिक्त हैं।

रायबरेली में भीख मांग रहा शख्स निकला तमिलनाडु का करोड़पति, आधार से खुला राज

नई दिल्ली। आधार कार्ड ने भीख मांग रहे एक भिखारी को उसके परिवार से मिलाने में मदद की है। दरअसल उत्तर प्रदेश के रायबरेली के रालपुर शहर में भूखे प्यासे एक भिखारी के आधार कार्ड और एफ्डी पेपर्स से जो खुलासा हुआ वो बेहद ही चौकाने वाला है। ये मामला तब सामने आया जब रालपुर के एक स्कूल के स्वामी भास्कर स्वरुप जी महाराज ने भिखारी को देखा। उसने इशारों में बताया कि वो भूखा है। सबसे पहले स्वामी जी ने उसे भोजना कराया। हालांकि वह कुछ बताने की स्थिति में नहीं था। एक हिंदी अखबार के मुताबिक भिखारी को स्नान कराया तो उनके कपड़ों से आधार कार्ड और करोंड़ों के फिक्स्ड डिपोसिट के पेपर्स निकले। इसके बाद आगे की जानकारी में पता चला कि वह तमिलनाडु का बिजनेसमैन है। इसके बाद स्वामी जी ने उसके परिवार वालों को जानकारी दी। जिसके बाद परिवार वाले उन्हें घर वापस ले गए। परिवार वालों ने बताया कि 6 महीने पहले ट्रैन से तीर्थ यात्रा के लिए निकले मुथैया नाडार रास्ता भूल गए थे। परिवार वालों के ढूढ़ने के बाद भी उनका पता नहीं चल सका था।

कुछ अराजकतत्वों ने बाधित करने की कोशिश की।

कहीं बीएचयू को फिर से सुलगाने की साजिश तो नहीं

वाराणसी (एजेंसी)। पटरी पर लौट रही बीएचयू की शांति व्यवस्था एवं पठन-पाठन को बुधवार को कुछ अराजकतत्वों ने बाधित करने की कोशिश की। यह तो गनीमत रहा कि समय पर बीएचयू सुरक्षाकर्मी एवं पुलिस फोर्स ने मामले को संभाल लिया वरना अराजकतत्व किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते थे। मुट्ठीभर उपद्रवी आधे घंटे तक बीएचयू परिसर में दहशत का माहौल पैदा किए रहे। इस दौरान स्कूली बस फूंका। कई वाहनों में तोड़फोड़ की। जब तक बीएचयू के सुरक्षाकर्मी उन्हें पकड़ने की कोशिश करते तब तक वह फरार हो चुके थे। यूं कहें तो यह घटना बीएचयू प्रशासन के साथ ही पुलिस-प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती है। समाजवादी छात्रसभा के नेता आशुतोष सिंह की गिरफ्तारी के लिए गैर जमानती वारंट जारी हुआ था। बुधवार को आशुतोष की गिरफ्तारी की सूचना पर मुट्ठीभर उसके समर्थकों ने मालवीय प्रतिमा पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने वहां से हटाया तो प्रदर्शनकारियों ने उपद्रव शुरू कर दिया। देखते ही देखते पूरा माहौल अराजकता में बदल गया। जब तक बीएचयू के सुरक्षाकर्मी एवं पुलिस पहुंचती तब तक उपद्रवी तोड़फोड़ कर चुके थे। देखा जाए तो छात्रनेता की गिरफ्तारी एवं गेट पर धरना प्रदर्शन के दौरान ही बीएचयू प्रशासन को सतर्क हो जाना चाहिए था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस को भी बीएचयू प्रशासन को इस बात की जानकारी दे देनी चाहिए थी। क्योंकि बीएचयू में पिछली कई घटनाओं में आशुतोष का नाम सामने आया था। मामला छात्रनेता की गिरफ्तारी से जुड़ा था लिहाजा पुलिस को सतर्कता बरतने संबंधित बीएचयू को अलर्ट कर दिया जाना चाहिए था। यहां बीएचयू प्रशासन व पुलिस दोनों से चूक हुई। इसका फायदा आशुतोष के समर्थकों ने उठाया और गिरफ्तारी के विरोध में ऐसा माहौल पैदा किया जिससे बीएचयू एक बार फिर अशांत होते-होते बचा। उपद्रवियों ने एमपीथिएटर से लगायत काशी विश्वनाथ मंदिर, नरिया मार्ग, सेंट्रल आफिस के रास्ते पर जो भी वाहन सामने दिखे उसे अराजकतत्वों ने निशाना बनाया। मुंह बांधे बाइक सवार कुछ अराजकत्वों ने बीएचयू को एक बार फिर अशांत करने की कोशिश क। फिलहाल बीएचयू में भारी फोर्स तैनात कर दी गई है। चीफ प्राक्टर प्रो. रोयाना सिंह ने दो टूक कहा है कि ऐसे तत्वों की शिनाख्त करायी जाएगी।

पूरी रात परिसर में विशेष सतर्कता

अराजकत्वों के उपद्रव के बाद बीएचयू परिसर में पुलिस-पीएसी की तैनाती तो कर दी गई मगर अधिकारी पूरी रात सतर्कता बरतते रहे। उन्हें इस बात की आशंका थी कि कहीं रात में आशुतोष के समर्थक उपद्रव न करें। इसके लिए प्रमुख हॉस्टलों के बाहर पुलिस-पीएसी का पहरा बिठा दिया गया। वार्डेन ने छात्रों से इस मामले में शांति बनाए रखने एवं पठन-पाठन पर ध्यान देने की अपील की।

एबीवीपी ने की उपद्रव की निंदा

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांतमंत्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के माहौल को जिस प्रकार खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। इस घटना में लिप्त अराजक तत्वों को चिन्हित कर तत्काल कारवाई की जाए। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं विभाग संयोजक चक्रपाणि ओझा ने कहा कि महामना के बगिया में अराजकता फैलाने वाले ये लोग महामना के मानस पुत्र कभी नहीं हो सकते, मेरा यह मानना है कि कही न कहीं आज की घटना छात्रों एवं प्रशासन के बीच संवादहीनता का परिणाम है।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सौरभ राय ने कहा कि महामना की बगिया मो शांति स्थापित करने के लिए प्रशासन को छात्रों से सीधा संवाद करने की आवश्यकता है।

रिश्वत लेते एसडीएम कार्यालय का कर्मचारी धरा गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने दिल्ली के उप-मंडलीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) के कार्यालय में तैनात एक अधिकारी को एक बिल्डर से कथित तौर पर एक लाख रपए की रिश्वत लेने के मामले में रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। सीबीआई के सूत्रों ने बताया कि डेटा एंट्री ऑपरेटर रफी उर रहमान को एक अन्य व्यक्ति के साथ उस समय रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था, जब वह कल रात बिल्डर से 40 हजार रपए की रिश्वत कथित रूप से ले रहा था। उन्होंने बताया कि बिल्डर ने सीबीआई के पास शिकायत की थी कि रहमान संगम विहार में उस जगह आया था जहां वह अपार्टमेंट बना रहा है।

सीबीआई ने प्राथमिकी में कहा कि दर्ज शिकायत के अनुसार बिल्डर ने कहा कि रहमान ने स्वयं को तीस हजारी स्थित एसडीएम कार्यालय में एक अधिकारी बताया और उसने प्रदूषण नियमों का कथित उल्लंघन करने के मामले में बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई करने की धमकी दी। प्राथमिकी के अनुसार रहमान ने निर्माणाधीन फ्लैटों की कथित रूप से फोटो ली और बिल्डर से कहा कि वह उसके कार्यालय आकर उससे मिले। जब बिल्डर एसडीएम कार्यालय पहुंचा तो रहमान ने उसे उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ पहले जारी किए गए चालानों की फाइल दिखाई। इसमें कहा गया है कि रहमान ने बिल्डर पर जुर्माना नहीं लगाने के एवज में एक लाख रपए कथित रूप से मांगे। प्राथमिकी में कहा गया है कि बातचीत के बाद रिश्वत की राशि को कथित रूप से कम करके 40 हजार रपए कर दिया गया। सीबीआई ने जाल बिछाकर आरोपी और एक अन्य व्यक्ति को कथित रूप से रिश्वत स्वीकार करते समय गिरफ्तार किया।

एक कारोबारी की मौत, एक कारोबारी व कर्मचारी गंभीर

नौकरी से निकालने पर कारोबारी भाइयों को गोलियों से भूना

नई दिल्ली। द्वारका क्षेत्र में कारोबारियों द्वारा अपने नौकर को नौकरी से निकालने पर नौकर ने अपने साथियों के साथ मिलकर कारोबारियों को गोलियों से भून दिया। इसमें एक कारोबारी की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान राजेन्द्र गर्ग (52) के तौर पर हुई। घायल कारोबारी रमेश गर्ग (55) को हाथ में गोली लगने व कर्मचारी कमल को रॉड लगने के बाद दोनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दौरान बदमाशों ने कारोबारी की कार से 3.50 लाख रपए भी लूट लिए। थाना द्वारका नॉर्थ पुलिस ने हत्या व लूट का मामला दर्ज कर मुख्य आरोपी सहित छह आरोपियों को पकड़ लिया, जबकि पुलिस एक की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार कारोबारी राजेन्द्र गर्ग व रमेश गर्ग परिवार के साथ उत्तमनगर के परमपुरी में रहते थे और ककरौला क्षेत्र में थोक का कारोबार था। इनके पास नेस्ले कंपनी की एजेंसी है। डेढ़ माह पूर्व तक इनके पास लड़का नौकरी करता था, लेकिन उसके बर्ताव के चलते दोनों ने उसे नौकरी से निकाल दिया। नौकरी से निकाले जाने पर आरोपी ने दोनों भाइयों को जान से मारने की धमकी दी थी। मंगलवार रात साढ़े नौ बजे के करीब राजेन्द्र व रमेश अपने कर्मचारी कमल के साथ स्विफ्ट कार से घर लौट रहे थे।

कोहरे का असरः

अलग-अलग जगह हुए हादसों में 4 स्कूली बच्चे घायल,

खेतासराय (जौनपुर) (एजेंसी)। कोहरे और धुंध के कारण बुधवार को हुए दो अलग अलग हादसों में चार स्कूली बच्चे घायल हो गए। पहली घटना जौनपुर की है, जहां घने कोहरे के चलते बुधवार की सुबह गोरारी पुलिया के पास स्कूली बच्चों से भरी मिनी बस ने चलती ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। जिसमें सवार दो स्कूली बच्चे और चालक मामूली रूप से घायल हो गये। जानकारी होने पर मौके पर पहुंचे बच्चों के अभिभावक बच्चों को लेकर घर वापस चले गये। घटना के बाद चालक स्कूली बस को लेकर शाहगंज स्कूल चला गया। शाहगंज स्थित एक स्कूल की एक मिनी बस का चालक बृजेश खेतासराय से बच्चों को लेकर सुबह आठ बजे स्कूल जा रहा था। बस में कुल 25 छात्र सवार थे। बाजार के बाहर गोरारी पुलिया के पास स्कूल बस पहुंची थी कि बस के आगे चल रही ट्रक को कोहरे के चलते स्कूल बस चालक बृजेश देख नहीं पाया और चलती ट्रक में पीछे से जोरदार टक्टर मार दी, जिससे बस में आगे बैठे कस्बा निवासी कक्षा 3 का छात्र सारिक, सरवरपुर मोहल्ला निवासी कक्षा 7 की छात्रा अनुष्का और 35 वर्षीय चालक बृजेश घायल हो गये। बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद स्कूली बच्चे सहम गये। चालक ने घटना की जानकारी उनके अभिभावकों को सेलफोन से दी। जानकारी होते ही अभिभावकों में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे अभिभावक अपने बच्चों को सुरक्षित पाकर राहत भरी सांस ली। वहीं दूसरी घटना गाजीपुर जिले की है, जहां खानपुर थाना क्षेत्र के अनौनी बाजार में घने कोहरे के कारण एक स्कूली बस को पीछे से आ रही एक निजी बस ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सैदपुर सीएचसी पर भर्ती कराया गया। जहां पर दोनों घायल बच्चों का इलाज चल रहा है। हादसे को लेकर स्कूली बच्चों में काफी दहशत है। पुलिस ने दोनों बसों अपने कब्जे में ले लिया है।

खानपुर थाना अंतर्गत अनौनी बाजार में बुधवार की सुबह 7 बजे मेहनाजपुर स्थित पब्लिक स्कूल की खड़ी बस को पीछे से आ रही एक निजी बस ने टक्कर मार दिया। जिससे उसमें बैठे छात्र निखिल पुत्र राजकमल जासवाल 12 वर्ष निवासी अमेदा खानपुर व आयुषी पुत्री लालजी यादव 12 निवासी अमेदा खानपुर घायल हो गये। दोनों घायलों को सैदपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार हुआ। पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा ने बताया कि स्कूली बच्चों को मामूली चोटें लगी हैं पुलिस इस मामले में कार्यवाही कर रही है।

उपराज्यपाल के जरिए फैसले को पलटा गया : आप

मैक्स लाइसेंस मुद्दे पर सियासी घमासान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त आयुक्त (अपीलीय प्राधिकरण) द्वारा दिल्ली सरकार के फैसले को रद्द कर मैक्स अस्पताल के लाइसेंस को बहाल किए जाने पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा और उपराज्यपाल पर हमला बोला है। आप का आरोप है कि भाजपा के लोगों ने पर्दे के पीछे बैठकर उपराज्यपाल के माध्यम से दिल्ली सरकार के फैसले को रद्द कराया है। भाजपा नेता दिल्ली की जनता के हितों को दरकिनार कर स्वास्थ्य माफिआओं को बचा रहे हैं। पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आप विधायक और दिल्ली प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जिस कथित निष्पक्ष अफसर ने दिल्ली की केजरीवाल सरकार के इस फैसले को पलटते हुए शालीमार बाग स्थित मैक्स अस्पताल को राहत दी है, उस अफसर की नियुक्ति एलजी ही करते हैं और एलजी ही उन्हें अपनी शक्तियां डेलीगेट करते हैं। उन्हीं शक्तियों के आधार पर उन्होंने मैक्स को बचाने का काम किया है। ऐसे में यह स्पष्ट हो गया है कि मैक्स, शालीमार बाग को राहत देने में बीजेपी और उनकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए गए एलजी की भूमिका प्रमुख है। उन्होंने कहा कि बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने तो खुलकर मैक्स अस्पताल का बचाव किया था और वो दिल्ली की जनता के खिलाफ जाते हुए उन स्वास्थ्य माफिआओं के साथ खड़े हो गए थे, जो अपने अस्पतालों के माध्यम से दिल्ली की जनता का खून चूसते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मनोज तिवारी का दिल स्वास्थ्य माफियाओं के लिए धड़कता है।

एलजी मामले में किसी भी स्तर पर शामिल नहीं : राजनिवास

नई दिल्ली। मैक्स अस्पताल के मामले में बुधवार को उपराज्यपाल को दोषी ठहराने की कोशिश की गई, लेकिन राजनिवास ने उल्टा इसे दिल्ली सरकार के पाले में डाल दिया। राजनिवास की ओर से स्पष्ट किया गया कि मैक्स हेल्थ केयर इंस्टीट्यूट ने स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, दिल्ली सरकार के आदेश के विरुद्ध दिल्ली नर्सिंग होम्स पंजीकरण अधिनियम 1953 के तहत वित्तीय आयुक्त के समक्ष अपील की थी। दिल्ली नर्सिंग होम्स रजिस्ट्रेशन एक्ट के साथ-साथ दिल्ली विधान सभा अधिनियम (डेलीगेशन आफ पावर) के तहत वित्तीय आयुक्त ही अपीलीय प्राधिकारी है।उपराज्यपाल कार्यालय ने स्पष्ट किया कि वित्तीय आयुक्त के फैसले में किसी का हस्तक्षेप या निगरानी नहीं होती है, हालांकि उसके आदेश को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। उपराज्यपाल कार्यालय इस मामले में किसी भी स्तर पर शामिल नहीं है। यानी मामला सीधे तौर पर वित्तीय आयुक्त व दिल्ली सरकार से जुड़ा है।

वाहन चोर गिरोह के चार बदमाश धरे गए

नई दिल्ली। अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश कर क्राइम ब्रांच ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के नाम मोहित लंगड़ा, संदीप, दीपक व फिरोज हैं। इनमें मोहित लंगड़ा गिरोह का सरगना है। आरोपियों के कब्जे से दो कारें, नौं बाइक, 22 चाबियों का गुच्छा, पिस्टल व कारतूस आदि जब्त किया गया है। पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से वाहन चोरी को लेकर मोहित उर्फ लंगड़ा ने ताबड़तोड़ वारदातों को अंजाम देकर पुलिस के समक्ष चुनौती पेश कर रखी थी।

विपक्ष ने दिवंगत नेता की आत्मा का किया अपमान : अभिषेक दत्त

आप के 12 पार्षद 15 दिन के लिए सदन से निष्कासित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की बैठक में बुधवार को विपक्ष यानी आप सदस्यों ने जमकर हंगामा किया। जिससे मेयर कमलजीत सहरावत को बीच में सदन की बैठक दो बार स्थगित करनी पड़ी। हंगामे के बावजूद निगम की बैठक निर्धारित समय तक चली और सत्तापक्ष ने एजेंडा भी पास कर दिया। खासबात यह है कि जिस समय आप के पार्षद हंगामा कर रहे थे, ठीक उसी समय सत्तापक्ष एवं कांग्रेस के सदस्य सफाई व्यवस्था एवं सफाई कर्मचारियों को लेकर चर्चा करते रहे।

कांग्रेस के नेता अभिषेक दत्त ने आरोप लगाया है कि आप के सदस्यों ने कांग्रेस के वयोवृद्ध दिवगंत नेता चौधरी प्रेम सिंह की आत्मा का अपमान किया है।

हंगामे के चलते मेयर को बीच में रोकनी बड़ी दो बार बैठक

मेयर ने आखिर में आप के 12 सदस्यों को 15 दिन के लिए सदन की बैठक से निष्कासित कर दिया। मेयर कमलजीत सहरावत ने आप के सदस्यों के इस रुख पर नाराजगी जताते हुए हंगामे को सदन की परंपराओं पर कालिख बताया। मेयर ने यह भी कहा कि आप के पार्षद यह पहले से ही तय करके आये थे कि वह निगम की बैठक को नहीं चलने देंगे। इसी उद्देश्य के साथ उन्होंने बैठक शुरू होते ही हंगामा शुरू कर दिया। मेयर ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अनुरोध किया वह चर्चा में भाग लेकर अपनी बात रख सकते हैं। चर्चा में सत्तापक्ष एवं कांग्रेस के सदस्यों ने अपनी बात रखी, लेकिन आप के सदस्य लगातार हंगामा ही करते रहे। मेयर ने आप के सदस्यों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने मेज पर चढ़कर डीएमसी एक्ट को ही फाड़ दिया और महिला कर्मचारियों के साथ बदसलूकी भी की। मेयर ने आप के सदस्य रमेश कुमार, प्रेम, दिनेश कुमार, गुरमुख सिंह, जितेंद्र कुमार, बीएस जून, सूरज प्रकाश सिंगला, किशनवती, उर्मिला यादव, प्रवीन कुमार झा, अजिल सिंह सेहरा एवं दिनेश कुमार दोषी को डीएमसी एक्ट की धारा 73 के तहत अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए निलंबित कर दिया। मेयर ने इस कार्रवाई से पहले हंगामा कर रहे सदस्यों को कई बार चेतावनी भी दी, लेकिन वह नहीं माने। इस बजह ने बीच में मेयर ने दो बाद बैठक को स्थिगित भी किया। विपक्ष का हंगामा निंदनीय : शिखा रॉय : नेता सदन शिखा रॉय ने आरोप लगाया कि विपक्ष ने हंगामा करने निन्दनीय कृत्य किया है। महिला कर्मचारी से बदसलूकी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह का कृत्य बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। सदन के लिए इतिहास का काला दिवस बताते हुए कहा कि सरकारी दस्तावेजों को फाड़ना गलत है। मेयर की इस कार्रवाई को सही ठहराते हुए कहा कि हंगामे के बावजूद इतनी सर्तकता से सदन चलाना किसी सुलझे हुए मेयर की निशानी है।

जिस प्रकार राख से सना हाथ जैसे-जैसे दर्पण पर घिसा जाता है, वैसे-वैसे उसके प्रतिबिंब को साफ करता है, उसी प्रकार दुष्ट जैसे-जैसे सज्जन का अनादर कर

''वन बेल्ट वन रोड'

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (अमेरिका फर्स्ट नेशनल सिक्यूरिटी स्ट्रैटिजी) जारी की है उससे भारत यकीनन खुश हो सकता है। कारण, इसमें सीधे-सीधे हिन्द प्रशांत क्षेत्र में और पूरे दक्षिण एशिया में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को स्वीकार किया गया है। साफकहा गया है कि हम अपनी रणनीतिक साझेदारी भारत के साथ मजबूत करेंगे और हिन्द महासागर सुरक्षा और समूचे सीमा क्षेत्र में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका का समर्थन करेंगे। इतना ही नहीं इसमें चीन की महत्त्वाकांक्षी योजना ''वन बेल्ट वन रोड' (ओबीओआर) और ''चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे' (सीपीईसी) की भी चर्चा है, और कहा गया है कि इलाके में चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए वह दक्षिण एशियाई देशों को अपनी संप्रभुता बरकरार रखने में मदद करेगा। ध्यान रखिए, भारत ने ओबीओआर सम्मेलन का बहिष्कार किया था और सीपीईसी का विरोध कर रहा है, क्योंकि यह पाक कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरता है। कुल मिलाकर अमेरिकी संसद द्वारा स्वीकृत यह सुरक्षा नीति भारत को एक उभरती नियंतग्र शक्ति के रूप में भी स्वीकार करती है। भारत के बारे में और भी बातें हैं। विश्व की महाशक्ति द्वारा यदि हमारे बारे में इस तरह की बातें की गई हैं, तो हमें इसका स्वागत करना ही चाहिए। इसमें अमेरिका के बड़े रक्षा सहयोगी के रूप में भारत के साथ अपना रक्षा और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने और पूरे क्षेत्र में भारत के बढ़ते संबंधों का समर्थन भी है। भारत के लिए संतोष का विषय पाकिस्तान के संदर्भ में लिया गया स्टैंड भी है। इसमें ट्रंप ने पाकिस्तान के बारे में केवल इतना ही नहीं कहा है कि वह इस्लामी आतंकवाद को रोकने के लिए पूरी कोशिश नहीं कर रहा है, बल्कि इसमें पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने और लड़ाई छेड़ने के लिए मजबूर कर देने की बात भी है। तो पहली नजर में यह हर दृष्टि से भारत के अनुकूल सुरक्षा नीति दिखती है। किंतु सब कुछ होते हुए हमें यह सोचना है कि हम अमेरिकी सुरक्षा नीति का एक हिस्सा भर बनकर या उसके सामरिक लक्ष्य का एक अंग बनकर न रह जाएं। हमारी अपनी संप्रभु विदेश और रक्षा-सुरक्षा नीति हैं। जहां हमारी नीतियां उनसे मेल खाती हैं, वहां हम साथ हैं, और जहां मेल नहीं मेल खातीं वहां विनम्रतापूर्वक हमें इनकार करना होगा। आखिर, डोनाल्ड ट्रंप का एक लक्ष्य अमेरिका को एकल महाशक्ति वाली भूमिका में दृढ़ता से खड़ा किए रखना भी तो है।

गंगा की स्वच्छता

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट ''नमामि गंगे' परियोजना को आवंटित राशि खर्च न होने को लेकर सवाल उठाए हैं। गंगा की स्वच्छता और इसे 2014 में चुनावी मुद्दा भले बड़े जोर-शोर से बनाया गया लेकिन गंगा नदी के जो हालात वर्तमान में हैं, उससे लगता है इस पवित्र नदी के दिन फिरने वाले नहीं हैं। कैग ने मंगलवार को संसद में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 31 मार्च, 2017 तक राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन 2133 करोड़ रुपये खर्च ही नहीं कर पाया है। पिछले दो वर्षों में नमामि गंगे परियोजना के लिएआवंटित 6705 करोड़ रुपये में से राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन महज 1665.41 करोड़ रुपये ही खर्च कर पाया। साल 2015-16 और 2016-17 के दौरान आवंटित राशि का 25 फीसद भी खर्च नहीं हो पाया। चिंता की बात है कि देश की 40 फीसद आबादी को सीधे तौर पर प्रभावित करने वाली गंगा नदी की साफ-सफाई को लेकर सिर्फ योजनाएं ही बनीं और भारी-भरकम रकम आवंटित हुई। हकीकत में रत्ती भर भी काम नहीं हुआ। सिर्फ राशि को मनमाने तरीके से लूटने का काम हुआ। ठीक है केंद्र सरकार भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाए हुए है और ईमानदारी को लेकर कटिबद्ध है मगर कोई सरकार अगर किसी योजना में भ्रष्टाचार होने से आशंकित होकर आवंटित रकम को वैसे ही रखे रहे तो फिर सरकार के इकबाल पर सवाल तो उठेंगे ही। समय रहते सरकार को इस लापरवाही, लूट, देरी और सरकारी तंत्र की काहिली को दूर करने के उपाय ढूंढने होंगे क्योंकि अगर किसी सरकार की सबसे महत्त्वाकांक्षी और सर्वोच्च प्राथमिकता वाली एक महत्त्वपूर्ण योजना साढ़े तीन साल बाद भी कुछ कर पाने में नाकाम है तो यह अच्छी बात नहीं है। शेष डेढ़ साल में मोदी सरकार क्या कुछ कर दिखाएगी, समझा जा सकता है। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि हरिद्वार और ऋषिकेश को छोड़कर देश में किसी भी जगह पर गंगा जल स्नान योग्य नहीं है। यही मसला ज्यादा चिंता भी पैदा करता है और हैरान भी। चुनांचे, प्रधानमंत्री को अपनी ''गंगा मां' को लेकर ज्यादा संजीदा होने की जरूरत है। बुनियादी तौर-तरीके अपनाकर ही इस महती और वृहद योजना को परिणति तक पहुंचाया जा सकता है।

सत्संग

''आत्मानं विद्धि'

अध्यात्म शास्त्र में पग-पग पर एक उद्बोधन- निर्देशन पूरा जोर देकर दिया जाता है कि ''अपने को जानो, उसे उठाओ।' ''आत्मानं विद्धि', ''आत्मावा अरे ज्ञातव्य' जैसे सूत्र संकेतों का आत्म क्षेत्र के प्रवेशार्थी को ध्यान पूर्वक मनन-चिंतन करना पड़ता है। मनुष्य के लिए खोज का सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रश्न कौन-सा हो सकता है, तोतरोपनिषद् का ऋषि स्पष्ट करता है-''किं कारणं ब्रह्म कुत: स्मजाता जीवाम केन च सम्प्रतिष्ठा: । अधिष्ठिता: केन सुखेतरेषु वर्तामहेब्रह्म विदो व्यवस्थाम ।।' अर्थात-हे वेदज्ञ महर्षियों! इस जगत् का प्रधार कारण ''ब्रह्म' कौन है? हम सभी किससे उत्पन्न हुए हैं, किससे जी रहे हैं और किसमें प्रतिष्ठित हैं? किसके अधीन रहकर सुख-दु:ख का अनुभव करते हैं। इन प्रश्नों के उत्तर अर्थात् आत्मज्ञान की आवश्यकता अनुभव की जा सके तो सर्वप्रथम विचार करना होगा कि हम कौन हैं? क्यों जी रहे हैं? आत्म्वेत्ता ऋषियों ने गंभीर चिंतन से जो निष्कर्ष निकाले थे, वे आत्मानुसंधान में प्रवृत्त होने के इच्छुक जिज्ञासुओं का मार्गदर्शन करने में सक्षम हैं। आत्मा क्या है? परमात्म सत्ता का एक छोटा सा अंश। अणु की अपनी स्वतंत्र सत्ता लगती भर है, पर जिस ऊर्जा आवेश के कारण उसका अस्तित्व बना है तथा क्रियाकलाप चल रहा है, वह व्यापक ऊर्जा तत्व से भिन्न नहीं है। बर्तनों में आकाश की कितनी ही स्वतंत्र सत्ताएं दिखाई पड़ती हैं, पर तयत: उनका अस्तित्व निखिल आकाशीय सत्ता से भिन्न नहीं है। पानी में अनेकों बुलबुले उठते और विलीन होते रहते हैं। बहती धारा में कितने ही भंवर पड़ते हैं। दिखने में बुलबुले और भंवर अपना स्वतंत्र अस्तित्व प्रकट कर रहे होते हैं, पर यथार्थ में वे प्रवाहमान जलधारा की सामयिक हलचलें मात्र हैं। जीवात्मा की स्वतंत्र सत्ता दीखती भर है,अस्तित्व एवं स्वरूप विराट् चेतना का ही एक अंश है। इस निष्कर्ष के आधार पर ही अध्यात्मवेत्ताओं ने उद्घोष किया कि ''हम विश्व चेतना के एक अंश मात्र हैं। सबका उत्थान अपना उत्थान और सबका पतन अपना पतन मानकर चलने से सीमित परिधि में सुखी रहने की क्षुद्रता घटती है। मनुष्य अपने को विराट् समाज का अभिन्न अंग मानने लगता है। सामूहिक हित सोचने और सामूहिक गतिविधियां अपनाने में ही उसे आनंद आता है।' आत्मज्ञान से आत्मविस्तार होता है, और यही काम्य है।

अर्थव्यवस्था और बाजार परिदृश्य

सरकार ऋण और जीडीपी के ऊंचे अनुपात को कम करने के साथ-साथ बैंकिंग सुधारों के अधूरे एजेंडा को भी पूरा करने को प्राथमिकता देते हुए दिखाई देगी। इसमें कोई दोमत नहीं हैं कि चुनाव परिणामों के बाद शेयर बाजार में उछाल आया है। निवेशकों और कारोबारियों का विास बढ़ा है। ऐसे में अब कारोबार परिदृश्य में और सुधार दिखाई देगा। पिछले दिनों भारत की अर्थव्यवस्था के संबंध में प्रकाशित हुई राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन रिपरेट्स भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार का परिदृश्य प्रस्तुत करते हुए दिखाई दे रही हैं। बीती चौदह दिसम्बर को प्रकाशित नियंतण्र वित्तीय संगठन स्टैंर्डड चार्टर्ड की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के आर्थिक परिदृश्य में सुधार का परिदृश्य प्रस्तुत करते हुए दिखाई दे रहा है।

सतीश पेडणोकर

भाजपा की जीत के बाद अर्थव्यवस्था और बाजार परिदृश्य देखें तो कई बातें उभर कर दिखाई दे रही हैं। निश्चित रूप से अब सरकार सुधार के एजेंडे पर तेजी से आगे बढ़ेगी। केंद्र सरकार सुधार के एजेंडे के तहत श्रमिकों और किसानों के साथ-साथ आम आदमी को लाभान्वित करने के लिए कल्याणकारी आर्थिक सुधारों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी। सरकार द्वारा संसद में पारित कराए गए आर्थिक सुधारों को कारगर तरीके से लागू किया जाएगा। सरकार द्वारा रोजगार बढ़ाने वाली विभिन्न योजनाओं और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को शीघ्रतापूर्वक कार्यान्वित किया जाएगा। इनके साथ-साथ सरकार वित्तीय सुधारों की डगर पर भी आगे बढ़ेगी। सरकार ऋण और जीडीपी के ऊंचे अनुपात को कम करने के साथ-साथ बैंकिंग सुधारों के अधूरे एजेंडा को भी पूरा करने को प्राथमिकता देते हुए दिखाई देगी। इसमें कोई दोमत नहीं हैं कि चुनाव परिणामों के बाद शेयर बाजार में उछाल आया है। निवेशकों और कारोबारियों का विास बढ़ा है। ऐसे में अब कारोबार परिदृश्य में और सुधार दिखाई देगा।

पिछले दिनों भारत की अर्थव्यवस्था के संबंध में प्रकाशित हुई राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन रिपरेट्स भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार का परिदृश्य प्रस्तुत करते हुए दिखाई दे रही हैं। बीती चौदह दिसम्बर को प्रकाशित नियंतण्र वित्तीय संगठन स्टैंर्डड चार्टर्ड की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के आर्थिक परिदृश्य में सुधार दिखाई दे रहा है। वर्ष 2017 में भारत की विकास दर 6.5 फीसदी रहेगी जबकि वर्ष 2018 में यह बढ़कर 7.2 फीसदी हो जाएगी। इस रिपोर्ट में अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए तीन बड़े कारण बताए गए हैं। नई अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था (जीएसटी) के तहत दी गई नई सुविधाएं, बैंकों की बैलैंस शीट के मसलों को सुलझाने के लिए सक्रिय कदम तथा नोटबंदी के बाद नोटों की आपूत्तर्ि में सुधार से कारोबारी गतिविधियों में वृद्धि। इसी तरह ख्याति प्राप्त नियंतण्र वित्तीय सेवा कंपनी मार्गन स्टेनली की रिपोर्ट के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था में सुधार के अच्छे संकेत मिल रहे हैं। परिणामस्वरूप देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर वर्ष 2017 की 6.4 फीसद की तुलना में 2018 में 7.5 फीसदी और 2019 में 7.7 फीसदी तक जाने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नोटबंदी और जीएसटी के बाद अब इनसे लाभ का परिदृश्य उभर रहा है। बैंक ऑफ अमेरिका मेरियल लिंच द्वारा प्रकाशित इस रिपोर्ट में कहा गया है कि जीडीपी के मामले में भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है।

नये चुनाव परिणामों का एक आर्थिक परिदृश्य यह भी है कि उद्योग और कारोबार से संबंधित लागों ने व्यक्तिगत आर्थिक मुश्किलों पर कम ध्यान देते हुए देश के रूप से नोटबंदी और जीएसटी की परेशानियों के बावजूद अपने आर्थिक हितों को अधिक महत्व दिया। ऐसे में वर्ष 2017 की शुरुआत में अर्थव्यवस्था को बदलाव की जो चुनौतियां झेलनी पड़ी थीं, वे दृश्य गुजरते हुए दिखाई दे रहे हैं, और आगे लगातार बेहतरी के आसार दिख रहे हैं। इससे देश की क्रेडिट रेटिंग में और सुधार आएगा। उल्लेखनीय है कि पिछले दो-तीन महीनों में देश की क्रेडिट रेटिंग बढ़ने और कारोबार आसान बनाने से संबंधित विभिन्न अध्ययन रिपोटरे में कहा गया है कि आर्थिक मुश्किलों के बाद देश की कारोबार क्रेडिट रेटिंग बढ़ रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा प्रकाशित र्वल्ड इकनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट 2017, विश्व बैंक की ''ईज ऑफडूइंग बिजनेस' रैंकिंग 2017, ख्यात नियंतग्र संगठन ग्लोबल रिटेल डवलपमेंट इंडेक्स (जीआरडीआई) 2017, विश्वविख्यात ब्रिटिश ब्रोकरेज हांगकांग एंड शंघाई बैंक कॉरपोरेशन (एचएसबीसी) अध्ययन रिपोर्ट 2017 तथा अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ''मूडीज' ने जो रिपरेट्स प्रकाशित की हैं, वे भी संकेत दे रही हैं कि वर्ष 2017 में निवेश और कारोबार के मामले में भारत का परिदृश्य बदला है। सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि सरकार राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने में सफल रही है। यद्यपि नये विधानसभा चुनाव परिणामों से भारत के निवेश और आर्थिक सुधारों की दिशा और प्रगति पर महर लगी है। लेकिन आर्थिक सुधार की डगर पर अभी बहुत आगे बढ़ना है। अभी विकास से संबंधित विभिन्न कमियों और चुनौतियों पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। सबसे ज्यादा जोर रोजगार बढ़ाने वाली योजनाओं के क्रियान्वयन पर देना होगा। औद्योगिक उत्पादन के मोर्चो पर उभरीं चिंताओं पर ध्यान देना होगा। हाल में 12 दिसम्बर को प्रकाशित नये आंकड़ों के अनुसार औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) अक्टूबर, 2017 में महज 2.2 फीसद बढ़ा जबकि पिछले वर्ष अक्टूबर में इसमें 4.1 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी।

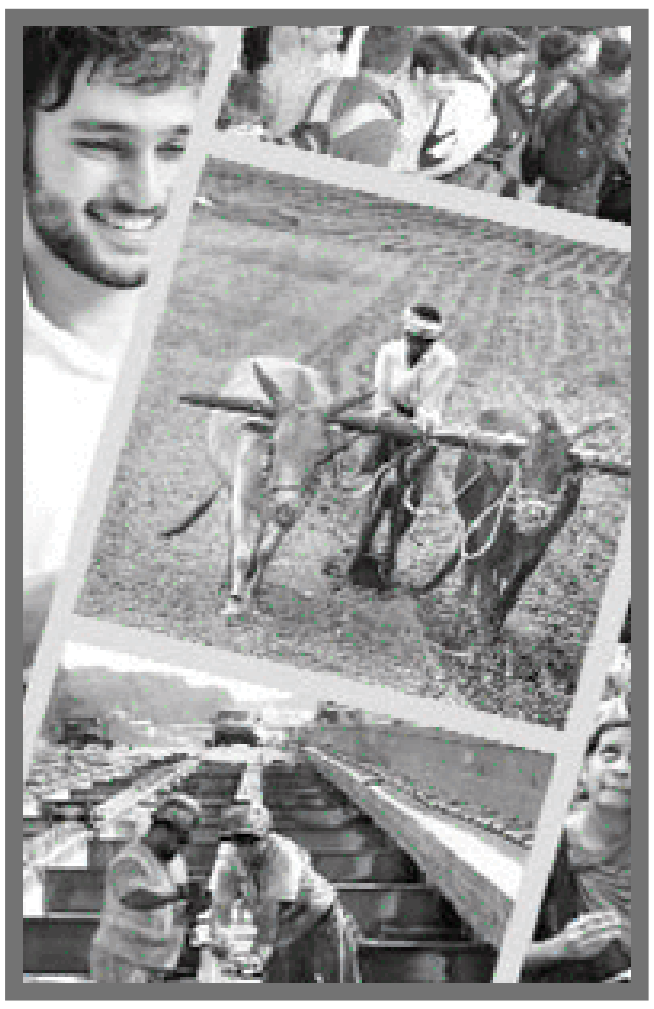

ऐसे में अर्थव्यवस्था को ऊंचाई देने के लिए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की अहम भूमिका बनाई जानी होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ''मेक इन इंडिया' योजना को गतिशील करना होगा। उन ढांचागत सुधारों पर भी जोर देना होगा जिनसे निर्यातोन्मुखी विनिर्माण क्षेत्र को गति मिल सके। महंगाई पर नियंतग्र जरूरी होगा। खुदरा महंगाई नवम्बर, 2017 में 15 महीने के शीर्ष स्तर पर 4.88 फीसदी पाई गई। कृषि क्षेत्र की चिंताओं पर विशेष ध्यान दिया जाना होगा। ग्रामीण भारत में खुशहाली के लिए अधिक सुधार लागू करने होंगे। ऊंचे उत्पादन स्तर पर ध्यान देना होगा। शैक्षणिक दृष्टि से पीछे रहने वाले युवाओं के विकास पर ध्यान केंद्रित करना होगा और उन्हें विकासोन्मुख प्रशिक्षण मुहैया कराना होगा। साथ ही, गांवों में काफी संख्या में जो गरीब, अशिक्षित और अर्धशिक्षित लोग हैं, अर्थपूर्ण रोजगार देने के लिए उन्हें निम्न तकनीक विनिर्माण में लगाना होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि निर्यातकों के लिए सरकार ने बीती पांच दिसम्बर को करीब 8450 करोड़ रुपये के जो निर्यात प्रोत्साहन घोषित किए हैं, उनका लाभ सरलतापूर्वक निर्यातकों तक पहुंचाया जाए। आशा करें कि गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनाव परिणामों के बाद केंद्र सरकार एक ओर कारोबारी विास बढ़ाने के प्रयास तेज करेगी तो वहीं दूसरी ओर कल्याणकारी आर्थिक सुधारों से देश के करोंड़ों सामान्य लोगों की मुट्ठी में विकास के अधिक लाभ भी पहुंचाएगी ताकि वे उपयोगी मानव संसाधन साबित हो सकें।

चलते चलते

जीत का ताज

सरकार को भी मजाक-वजाक पर अब रोक लगा ही देनी चाहिए। मजाक-मजाक में देखो चुनाव कितना गंभीर हो गया कि दिग्गजों को भी पसीने आ गए। सर्दी में गर्मी का अहसास। बात चाहे विकास के मजाक से ही शुरू हुई हो, पर फिर देखो कैसे गाली-गलौच पर पहुंच गई। ऊंच-नीच तक, जात-बिरादरी और षडयंत्रों तक पहुंच गई।

गुजरात में विकास फिर जीत गया जी। जी, मजाक नहीं, ऐसा खुद मोदी जी का कहना है। किसी और ने कहा होता तो लोग शायद न मानते। क्योंकि चुनावों के दौरान एक विकास ही तो था, जिसके सबसे बुरे दिन थे। उसका मजाक बनाया जा रहा था, पागल तक कहा जा रहा था। सबकी पूछ थी। शहजाद पूनावाला की इतनी पूछ थी कि पूछो मत। सलमान निजामी तक को पूछा जा रहा था। पाकिस्तान की तो पूछो ही मत। उसे तो बल्कि अब घमंड होने लगा होगा कि मेरे बिना गुजरात का चुनाव जीता ही नहीं जा सकता। बल्कि जिस तरह से अब विकास को जीत का सारा श्रेय दिया जा रहा है, उससे वह नाराज भी हो सकता है कि चुनाव जीतते हो मेरा नाम लेकर और श्रेय देते हो विकास को। अच्छी बात नहीं है। तो जनाब, सबकी पूछ हो रही थी, हर ऐरे-गैरे नत्थू खैरे की पूछ थी, बस एक विकास की ही पूछ नहीं हो रही थी। चलो देर आयद, दुरूस्त आयद। चुनाव के बाद ही सही, उसकी पूछ तो हुई। चुनावों में उसका मजाक उड़ा, पागल तक कहा गया, कोई बात नहीं, आखिर में जीत का श्रेय तो उसी को मिला। बुरे दिनों के बाद चलो, विकास के भी अच्छे दिन आ ही गए। वरना तो जी, लोग तो अच्छे दिनों का भी मजाक बना ही रहे हैं। कोई जुमला कह रहा है। कोई कुछ कह रहा है। वैसे तो घूरे के भी दिन फिरते हैं, चाहे बारह बरस में ही फिरते हों। चलो विकास के भी दिन फिरे। बुरे दिन गए और अच्छे दिन आए। चाहे बहुत दिनों बाद ही आए। सरकार को भी मजाक-वजाक पर अब रोक लगा ही देनी चाहिए। मजाक-मजाक में देखो चुनाव कितना गंभीर हो गया कि दिग्गजों को भी पसीने आ गए। सर्दी में गर्मी का अहसास। बात चाहे विकास के मजाक से ही शुरू हुई हो, पर फिर देखो कैसे गाली-गलौच पर पहुंच गई। ऊंच-नीच तक, जात-बिरादरी और षडयंत्रों तक पहुंच गई। चार लौंडे आए और उन्होंने मजाक-मजाक में महारथियों की हालत खराब कर दी। वरना कौन कह सकता था जी कि गुजरात में खुद प्रधानमंत्री को इतनी मेहनत करनी पड़ेगी। सब यही तो माने बैठे थे कि गुजरात तो उनका अपना है, कहां जाएगा। वह तो प्रधानमंत्री वक्त पर संभल गए। वरना तो जी हंसी-हंसी में खांसी हो जाती। पर अंत भला तो सब भला।

फोटोग्राफी...

प्राग की ऐतिहासिक धरोहर हैं वल्तावा नदी पर लगातार बने 17 पुल, कई युद्ध हो चुके हैं यहां पर

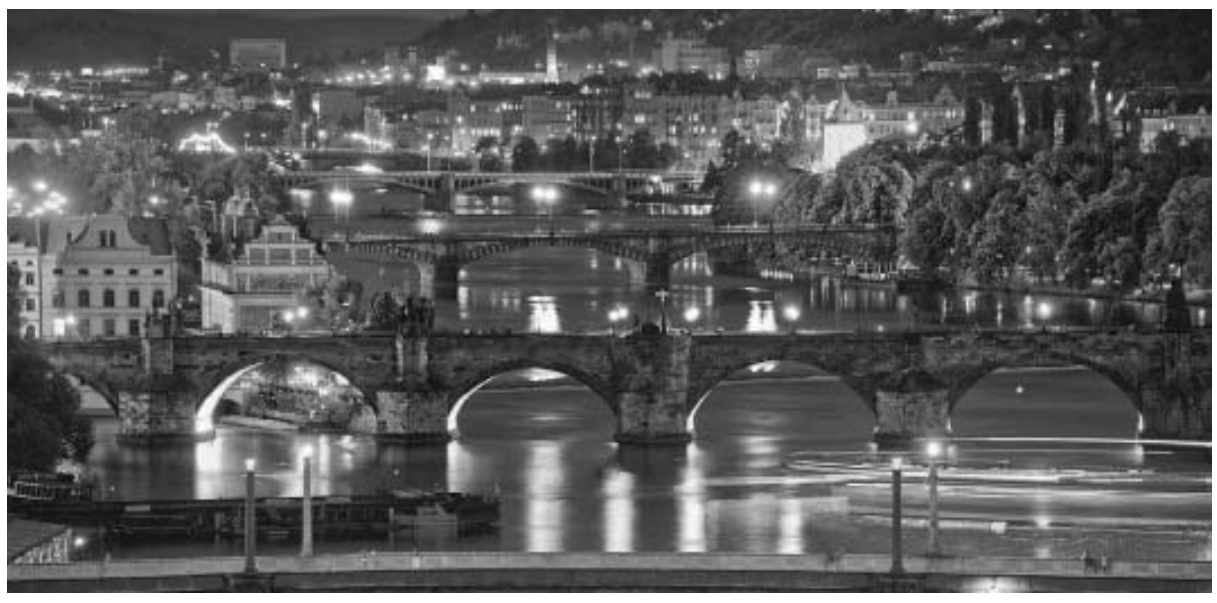

यह फोटो प्राग की वल्तावा नदी पर बने उन पुलों का है, जिनका निर्माण 18वीं सदी और उसके पहले किया गया। आज यह जगह सैर करने एवं फोटोग्राफी के लिए भी मशहूर है। अमेरिकी फोटोग्राफर ट्रे रेटक्लिफ ने यह फोटो क्लिक किया है। उन्होंने बताया कि वे केवल एक ही दिन के लिए वहांएपहुंचे थे।

इसके बावजूद वे इस शहर की फोटोग्राफी का अवसर छोड़ना नहीं चाहते थे। रात में कई जगह जगह सैर करने के बाद उन्हें यह स्पॉट मिला और नदी पर बने लगातार पुलों का दृश्य क्लिक किया। उनके अनुसार प्राग में एक ही नदी पर 17 पुल बने हैं। वर्ष 1620 से लेकर दूसरे विश्वयुद्ध तक कई संघर्ष यहां हो चुके हैं। यहां सबसे पुराना 'चार्ल्सब्रिज' है, उसे 15वीं सदी की शुरुआत में तैयार किया गया था।

उसके पहले वल्तावा नदी पर पहला पुल पत्थर का बना था,वर्ष 1342 की बाढ़ में वह बह गया था। वर्ष 1620 में यहीं 'व्हाइट माउंटेन'की लड़ाई हुई, जो यूरोप के सबसे भयावह 'थर्टी ईयर्स वॉर' (1618-1648) का हिस्सा था। PhotoPin.com

पंचवर्षीय व्यापार नीति

सरकार ने उनके लिए अपनी पंचवर्षीय व्यापार नीति की मध्यावधि समीक्षा के उपरांत 8,450 करोड़ रुपये के उदार प्रोत्साहन की घोषणा की है। 2015 से आरंभ पंचवर्षीय व्यापार नीति के तहत मंसूबा बांधा गया है कि 2020 तक वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात 900 बिलियन डॉलर के स्तर पर पहुंचाया जाए। हालांकि 2014-15 से 2016-17 के मध्य निर्यात में गिरावट दर्ज की गई। यह 468 बिलियन डॉलर से कम होकर 437 बिलियन डॉलर रह गया।

सच तो यह है कि भारत का बाह्य व्यापार प्रदर्शन इस कदर विकट रहा है कि मौजूदा वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में चालू खाते का घाटा चार वर्षो में 2.6 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि नियंतग्र बाजार में तमाम अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद निराशाजनक रुझान बना हुआ है। ऐसे में घरेलू कारकों में ही बढ़ते व्यापार घाटे के कारणों को खोजा जा सकता है। स्पष्ट है कि जीएसटी के कार्यान्वयन को लेकर छाई अनिश्चितता भी काफी हद तक इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है।

स्थिति चिंतनीय है क्योंकि जीएसटी के तहत निर्यातकों को रिफंड किए जाने की प्रक्रिया संबंधी मुद्दे व्यापारिक गतिविधियों पर असर डाल रहे हैं। इसलिए मध्यावधि समीक्षा में दिएगए प्रोत्साहन से उम्मीद की जानी चाहिए कि कुछहद तक निर्यात के मोर्चे पर राहत मिलेगी। हालांकि भले ही इस प्रकार की अल्पकालिक राहत महत्त्वपूर्ण होती हो, लेकिन पूछा जाना तो बनता ही है कि क्या इत्ती भर राहत पर्याप्त है? आखिर विश्व में कहीं भी कभी भी ऐसा नहीं हुआ है कि किसी भी देश की विकास दर निर्यात में 15 या उससे ज्यादा की वृद्धि दर के बिना 7 प्रतिशत के स्तर पर लंबे समय तक बनी रही हो।

विश्व बैंक के आंकड़े बताते हैं कि भारत से वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात 2011 के बाद से 10 प्रतिशत के स्तर से ऊपर नहीं पहुंचा है। जाहिर है कि कुछ ऐसे ढांचागत मुद्दे हैं, जो भारत के बाह्य व्यापार के मोर्चे पर रुकावट बने हुए हैं।

इस तय की चाहें तो हम भारत के अग्रणी निर्यात क्षेत्रों- आभूषण, चर्म उत्पाद और वस्त्र-में लंबे समय से बने हुएरुझानों की पड़ताल करके भी कर सकते हैं। यह देख कर चिंता होती है कि इन सभी क्षेत्रों में भारत को जो प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त इस सदी के शुरू में हासिल थी, अब न के बराबर रह गई है। उस पर ये क्षेत्र बेहद श्रमोन्मुख हैं, और इनमें प्रतिस्पर्धात्मक लाभ का लोप हो जाने का मतलब है अर्थव्यवस्था में रोजगार-सृजन का लोप हो जाना। प्राय: तर्क रखा जाता है कि भारत की कारोबारी प्रतिस्पर्धा को धार देने की गरज से रुपये की मजबूती को अवमूल्यन के जरिये कम किया जाए ताकि विश्व बाजार में भारतीय वस्तुएं एवं सेवाएं बनिस्बत सस्ती होने के चलते प्रतिस्पर्धा में टिकी रह सकें।

भारत को प्रतिस्पर्धी बनकर उभरना होगा। इसके लिए बाजार विकास संबंधी शोध के साथही शोध एवं विकास की दिशा में बढ़ना होगा। ध्यान रखना होगा कि भारत में साजोसामान के पारगमन संबंधी ढांचा अच्छी स्थिति में नहीं है। फिर, जिन भी देशों से उसके व्यापार समझौते हैं, उनमें से ज्यादातर घाटे वाली प्रकृति के हैं। ध्यान रहे कि चीन तेजी से विश्व में वस्तु विनिर्माण हब के रूप में अपना रुतबा और हैसियत खोता जा रहा है। भारत के लिए अपने निर्यात मोर्चे को चाक-चौबंद करने का इससे बेहतर मौका नहीं हो सकता। प्रयास करके वह विश्व बाजार में अपने लिए दरपेश माकूल हालात से खासा लाभान्वित हो सकता है।

ताबड़तोड़ चोरियों से जिले में दहशत

बाराबंकी (ईएमएस)। नगर में चोरों का आतंक अपने चरम पर है। आये दिन घर मकानों और दुकान पर चोरियों के मामले संज्ञान में आते रहे हैं। लेकिन पुलिस आज तक एक भी चोरी का खुलासा नही कर सकी है। बताते चलें कि दो वर्ष पूर्व निबलेट तिराहे पर एक मेडिकल स्टोर में चोरी हुई थी। इससे पूर्व घण्टाघर पूरब वाली गली में लिटिल के घर भी चोर लाखो के जेवर और रुपये ले उड़े थे। इतना ही नही पैसार स्थित कापर वाली दुकान पर चोरी का ही नही सिटी कालेज पानी की टंकी के पास एक मकान मे और सत्यप्रेमी नगर में कुम्हार टोला और शहर में कई गाड़ियो की चोरियो का खुलासा अभी तक पुलिस करने मे नाकाम रही हैं। उस पर फिर बीती रात लय्या मण्डी में बीती रात मेडीकल स्टोर और उस के ऊपर लेडीज कपड़ो की रेडीमेड की दुकान बीती रात शटर उखाड़ कर चोरी करने का असफल प्रयास करने से साफ हैं कि चोर खुलेआम पुलिस को चुनौती दे रहे है पूर्व में इस दुकान के पास लगे मोबाइल टावर से भी चोर कई बार बैट्री और अन्य सामान भी चोर चोरी कर चुके है और हर बार पुलिस फेल होती रही चोर खुलेआम अपने काम को अंजाम देते रहे हैं।

26 दिसंबर से आलेख्य प्रकाशन की होगी शुरूआत

आजमगढ़ (ईएमएस)। विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षप्ति पुनरीक्षण के लिए भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा आलेख्य प्रकाशन की शुरूआत 26 दिसंबर से की जाएगी। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग से निर्गत पुनरीक्षण कार्यक्रम, विशेष अभियान की तिथियां 31 दिसम्बर 2017, 7 जनवरी, 21 जनवरी एवं 28 जनवरी 2018 की तिथि नियत की गई है। जिलाधिकारी चन्द्र भूषण सिंह ने ईएमएस से बातचीत के दौरान गुरूवार को जानकारी देते हुए कहा गया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के आधार पर राजनैतिक दलां के साथ एक बैठक ली गई। इस बैठक में उनके द्वारा बताया गया कि अर्हता दिनांक 1 जनवरी 2018 के आधार पर विधान सभा निर्वाचक नामावलियो के विशेष संक्षप्ति पुनरीक्षण हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचन नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 26 दिसम्बर 2017 को किया जायेगा। बैठक में उपस्थित सदस्यो को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अनुमोदित मतदेय स्थलां की सूची उपलब्ध करायी गयी तथा भारत निर्वाचन आयोग से निर्गत पुनरीक्षण कार्यक्रम, विशेष अभियान की तिथियां 31 दिसम्बर 2017, 7 जनवरी, 21 जनवरी एवं 28 जनवरी 2018 संशोधित प्रारूप 6, 7, 8 एवं 8ए का उपयोग किए जाने की जानकारी देते हुए समस्त राजनैतिक दलों से प्रत्येक मतदेय स्थल पर बूथ लेबल एजेण्ट नियुक्त किए जाये एव बीएलए को बीएलओ का पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करने को कहा गया।

10 आईएएस अधिकारी जनवरी में बनेगी प्रमुख सचिव

भोपाल (ईएमएस)। आईएएस अधिकारियों की डीपीसी की बैठक पूरी हो गई है?इस बैठक में मुख्यमंत्री सचिवालय में पदस्थ विवेक अग्रवाल और हरिरंजन राव सहित 1994 बैच के 10 आईएएस अधिकारी जनवरी माह में प्रमुख सचिव के पद पर पदोन्नत हो जाएंगे। 1994 बेच के संजय शुक्ला विवेक अग्रवाल हरिरंजन राव रश्मि अरुण शमी, मनीष रस्तोगी, पल्लवी जैन गोविल, दीपाली रस्तोगी, शिवशेखर शुक्ला, एसके पाल और अरुण कोचर पदोन्नत होंगे? 2002 बैच के जिन अधिकारियों की पदोन्नति होगी, उनमें सचिव के पद पर अजीत कुमार, एम शैलवेंद्रन, बी चंद्रशेखर, एके भार्गव, मसूद अख्तर, राजेंद्र सिंह, जेके जैन, राजेश बहुगुणा, महेश चौधरी, आनंद शर्मा, डी डी अग्रवाल और रजनीश श्रीवास्तव होंगे। 2005 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अतिरिक्त सचिव के पद पर पदोन्नत होंगे। राहुल जैन, जीबी रश्मि, संजीव सिंह, देवी सिंह, शेखर वर्मा, अजय सिंह गहरवार, अरुण गुप्ता, अशोक वर्मा, राजेश जैन, रविंद्र सिंह, पीआर कटरोलिया, अजय सिंह बघेल, आशीष सक्सेना, अजय शर्मा और भगत सिंह कुलेश के नाम डीपीसी में क्लियर हो गए हैं।

धर्मांतरण के शक में प्रतापगढ़ में तोड़फोड़

प्रतापगढ़ (ईएमएस)। राजस्थान के प्रतापगढ़ में बीती रात एक सामुदायिक केंद्र में क्रिसमस से जुड़े आयोजन के दौरान कुछ लोगों ने पहुंच कर भारी उपद्रव किया। उनका आरोप था कि यहां बड़ी संख्या में लोगों का धर्मपरिवर्तन कराया जा रहा है। कार्यक्रम में रात्रिभोज के दौरान एक स्थानीय संगठन के कुछ कार्यकर्ता वहां घुस आए और आते ही उन्होंने तोड़फोड़ शुरू कर दी।

उपद्रवियों ने चेतावनी दी कि धर्मांतरण की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपद्रवियों ने आरोप लगाया कि इस आयोजन के बहाने संगठन लोगों के धर्मांतरण का प्रयास किया जा रहा था।. इस बीच अलीगढ़ में हिंदू जागरण मंच ने ईसाई स्कूलों को धमकी दी है। हिंदू जागरण मंच ने कहा कि स्कूल प्रबंधन हिंदू बच्चों को क्रिसमस मनाने के लिए बाध्य नहीं कर सकता।

अगर उन्होंने ऐसी कोशिश की तो उन्हें इसके गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे। इस चेतावनी के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी जिला पुलिस प्रमुखों को ऐसे लोगों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए हैं।

यूपीकोका का दुरुपयोग नहीं होगा : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश सरकार ने यूपीकोका विधेयक विधानसभा में पेश कर दिया है। विधानसभा में गुरूवार को इस मुद्दे पर बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस विधेयक का दुरुपयोग नहीं किया जाएगा। किसी पर भी राजनीतिक विद्वेष की भावना से कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था लागू करना हमारी पहली जिम्मेदारी है। इसके लिए हमें सख्त कानूनी प्रावधान करने होंगे। मौजूदा पहली इसी का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि सन 2017 में पिछले साल के मुताबिक अपराध कम हुए हैं। विधानसभा में योगी ने कहा कि सरकार बिना भेदभाव के हर त्योहार मनाएगी। हमने पिछले कुछ समय में शासन के मनोबल को बहाल किया है, आठ लाख 210 स्थानों पर पुलिस पेट्रोलिंग की गई है। एक लाख से ज्यादा शरारती तत्वों को हिरासत में लिया गया है, कुछ जगहों पर छेड़छाड़ हुई है। उन्होंने कहा कि पुलिस पर जो हमले हो रहे हैं वह दुस्साहिक हैं। उसको लेकर सरकार ने सख्त कदम भी उठाए हैं, किसी भी माफिया को गोली चलाने की छूट नहीं हैं और न ही महिलाओं के साथ अभद्रता की छूट जाएगी। उन्होंने बताया कि पहली बार पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अफआईआर काउंटर खोले गए हैं, पुलिस के दबाव के कारण अपराधियों ने समर्पण किया है। उन्होंने कहा कि 22 मार्च से 18 दिसंबर तक 79177 स्थानों पर 2159890 स्थानों पर एंटी रोमियो स्क्वॉयड ने कड़ी कार्रवाई की है, इनमें 1714 अभियोग पंजीकृत हुए हैं। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने संगठित अपराध पर नकेल कसने के लिए राज्य में यूपीकोका के रूप में सख्त कानून लाने का फैसला किया है। प्रस्तावित कानून के तहत अंडरवर्ल्ड, जबरन वसूली, जमीनों पर कब्जा, वेश्यावृत्ति, अपहरण, फिरौती, धमकी और तस्करी जैसे अपराधों को शामिल किया गया है। योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधानसभा में यूपीकोका (उत्तरप्रदेश कंट्रोल ऑफ आर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट) बिल पेश किया।

नोडल अधिकारी का दौरा, विभाग हलकान एआरटीओ कार्यालय में हो सुधारः भटनागर

बाराबंकी (ईएमएस)। नोडल अधिकारी बाराबंकी आईएएस अनीता भटनागर जैन ने आज जनपद के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया एवं अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। सर्व प्रथम नोडल अधिकारी श्रीमती जैन जिला महिला चिकित्सालय पहुंची जहां उन्हे सब कुछ ऑल इज बेल दिखा। पत्रकारों द्वारा महिला अस्पताल में दलालों के हस्ताक्षेप एवं मरीजों को प्राइवेट चिकित्सालय में भर्ती कराने के प्रश्न पर उन्होने कहा कि इस मसले पर जिलाधिकारी के संज्ञान में मामला आते ही कार्यवाही की जायेगी। हालांकि डीएम अखिलेश तिवारी ने कहा कि अभी तक मेरे संज्ञान में ऐसा कुछ मामला नही आया है। इसके बाद उन्होने अग्नि शमन विभाग का जायजा लिया। फायर ब्रिगेड में निरीक्षण के बाद वे सहायक सम्भागीय परिवाहन कार्यालय पहुंची। जहां पहले से ही मुस्तैद अधिकारियों ने उनके स्वागत के लिये सब कुछ व्यवर्ा-स्थत करने का बीड़ा उठाया। प्रभागीय निरीक्षक संजय गुप्ता के कक्ष में उन्होने कम्प्यूटर पर लाइंसेसो के निर्गत होने सम्बन्धी जानकारी की। साथ ही प्रोजेक्ट अन्तर्गत बायोमैट्रिक प्रणाली के बारे में गहन पूछतांछ की। वरिष्ठ लिपिक राजीव चैबे के कार्य से नोडल अधिकारी बेहद असंतुष्ट दिखी इस एक लिपिक की वजह एआरटीओ (प्रशासन) पंकज सिंह को भी डांट सुननी पड़ी। वाहनों के फिटनेस सम्बन्धी सही जानकारी न दे पाने के चलते नोडल अधिकारी ने एक फार्म मंगवाया तथा अधूरे भरे गये फार्म को देखकर बिफर पड़ी। गाड़ी सं-यूपी 41 टी 5767 जो कि रामविलास नामक व्यक्ति का वाहन हैं, का फार्म जिलाधिकारी सौंपते हुए उन्होने कहा कि इसकी जांच जिलाधिकारी के देख रेख में होगी। फिटनेस में अनियमितता पाते हुए श्रीमती जैन ने कहा कि यह आप लोगों की जिम्मेदारी है कि वाहनों की सही फिटनेस की जाये। आपके बच्चे, रिश्तेदार ऐसे तमाम वाहनों से स्कूल जाते और रिश्तेदार यात्रा करते हैं। पत्रकारों से वार्ता के दौरान श्रीमती जैन ने कहा कि बाराबंकी एआरटीओ कार्यालय की व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है जिन लिपिकों कम्प्यूटर का कार्य नही आता है उन्हे एक निर्धारित समय में प्रशिक्षण दिलाया जाये साथ ही ऑनलाइन प्रणाली होने के बाद अब अभ्याार्थियों को कई बार एआरटीओ कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें।

बिहार में राजद ने बालू नीति के खिलाफ किया प्रदर्शन

राजद कार्यकर्ताओं ने जहानाबाद-पटना रांची जनशताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन को रोका

पटना (ईएमएस)। बिहार में नीतीश सरकार द्वारा लागू की जा रही नई बालू नीति पर घमासान लगातार जारी है। राजद ने सरकार की नई बालू नीति के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान राजद कार्यकर्ताओं ने जहानाबाद-पटना रांची जनशताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन को रोक दिया। राजद ने बिहार बंद का आह्वान किया है। राजद विधायक भाई वीरेंद्र की अगुवाई में कई जगहों पर कार्यकर्ताओं ने एनएस-30 को जाम किया और दुकानों को बंद करवाया। कार्यकर्ताओं ने एनएच-83 को भी बंद किया। राजद लगातार नीतीश सरकार द्वारा लागू की जा रही नई बालू नीति को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। गौरतलब है कि ये सारा मामला बालू को लेकर हुआ है। बालू के अवैध खनन को रोकने के लिए सरकार ने नया बिहार लघु खनिज अधिनियम 2017 बनाया है। जिसके प्रावधानों को लेकर जबरदस्त विरोध हो रहा है। सरकार ने पुराने सारे टेंडर रद्द कर दिए हैं, जिसकी वजह से राज्य में बालू की कमी हो गई है। बालू की कमी होने से राज्य में हो रहे निर्माण कार्य भी प्रभावित हुए हैं। मामला पटना हाईकोर्ट भी पहुंच चुका है। राज्य सरकार द्वारा बिहार लघु खनिज उत्खनन अधिनियम 2017 में कई खामियां उजागर किए जाने के उपरांत पटना हाईकोर्ट द्वारा इस पर रोक लगा दी गई थी। साथ ही साथ पटना हाईकोर्ट ने खनन विभाग के प्रधान सचिव द्वारा अदालती आदेश के बाद भी निर्देश जारी किए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। साथ ही प्रधान सचिव द्वारा निर्गत सारे आदेश को निरस्त कर दिया था। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि जब तक सरकार पुरानी नीतियों को फिर से लागू नहीं करती है तब तक चक्का जाम रहेगा।

हिन्दुस्तान में पैदा होने से हर व्यक्ति हिन्दू नहीं होताः स्वरूपानन्द

शास्त्रों को न मानने वाला हिन्दू नहीं होता

मथुरा (ईएमएस)। रामायण एवं महाभारत की शिक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल करने की आवश्यकता बताते हुए द्वारिका स्थित शारदा पीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वती ने कहा कि ''केवल हिन्दुस्तान में पैदा होने से ही कोई हिन्दू नहीं हो जाता। हमें केवल संस्कृति से ही नहीं, बल्कि धर्म से हिन्दू होना चाहिए। कोई व्यक्ति यदि वेदों एवं हिन्दू धर्म के शास्त्रों को न माने तो वह हिन्दू नहीं होता है।'' गौरतलब है कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हाल में अपने एक बयान में कहा था कि हिन्दुस्तान में रहने वाला हर व्यक्ति हिन्दू है। शंकराचार्य ने कहा कि रामायण और महाभारत को शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। यदि आधुनिक शिक्षा के साथ पौराणिक कथाओं का ज्ञान भी कराया जायेगा तो युवाओं को पता चलेगा कि बुरा कर्म करने से उसका नतीजा भी बुरा ही निकलेगा। उन्होंने कहा, ''अगर रामायण को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा तो युवाओं को एक बड़ी शिक्षा मिलेगी।'' उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित कथाकारों एवं धर्मप्रचारकों को सलाह दी कि वे राधा-कृष्ण की लीलाओं के साथ पापकर्म करने पर मिलने वाली नर्क की यातनाओं का भी वर्णन करें जिससे लोग बुरे विचार भी अपने मन में न लायें। ज्योतिष पीठ पर चल रहे विवाद के सवाल पर शंकराचार्य ने कहा, ''सत्ता से जुड़ी कुछ शक्तियां हमारे खिलाफ षड़यंत्र रच रही हैं। वे हमारी पीठों पर अपने समान विचार मानने वाले लोगों को बैठाना चाहती हैं।

कुऐ में गिरकर विवाहता की संदिग्ध मौत

बाराबंकी (ईएमएस)। कोतवाली हैदरगढ़ क्षेत्र एक महिला की कुऐं में गिरकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टर्माटम के लिये भेजा। मिली जानकारी के अनुसार दस वषी पूर्व मृतका का विवाह थाना सुबेहा क्षेत्र ग्राम मोहम्मदपुर निवासी रामलाल से हुआ था। उसके दो वर्ष सगुन भी थी। उसके पति और चाचा के बताये अनुसार वह करीब चार वषी से बीमार चल रही थी और एक वर्ष से अपनी पुत्री के साथ कोतवाली हैदरगढ़ के ग्राम बरांवा आकर अपने मायके में रह रही थी। जो बीती रात अपने मायके में बिना भोजन किये ही सो गयी थीं। सुबह उसकी लाश गांव के पूरब स्थित एक कुऐं में मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोंस्टर्माटम के लिये भेज दिया। हैदरगढ़ कोतवाली प्रभारी से बात करने पर उन्होने बताया कि मृतका के पिता रामबहादुर ने जो तहरीर दी है उसमें इस बात का जिक्र है कि शौच के लिये जाते में रास्ते कुऐ में गिरने से उसकी बेटी की मृत्यु हुयी है। दस वषी पूर्व मृतका का विवाह थाना सुबेहा क्षेत्र ग्राम मोहम्मदपुर निवासी रामलाल से हुआ था। उसके दो वर्ष सगुन भी थी। उसके पति और चाचा के बताये अनुसार वह करीब चार वषी से बीमार चल रही थी और एक वर्ष से अपनी पुत्री के साथ कोतवाली हैदरगढ़ के ग्राम बरांवा आकर अपने मायके में रह रही थी। जो बीती रात अपने मायके में बिना भोजन किये ही सो गयी थीं। सुबह उसकी लाश गांव के पूरब स्थित एक कुऐं में मिली। जो काफी समय से मानसिक रूप से बीमार चल रही थी। पुलिस का कहना है कि आगे की कार्यवाही पोस्टमार्टम रिपीट के आधार पर की जायेगी।

सर्वणों के हित के लिए सर्वण आयोग का गठन अत्यन्त आवश्यकः जे के त्रिपाठी

कुशीनगर (ईएमएस)। सर्वणों के हित के लिए सवर्ण आयोग के गठन के लिए अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा ने योजनाबद्ध होकर सर्वणों को लामबन्द करना शुरू कर दिया। जिसके सापेक्ष से सीएम को संबोधित ज्ञापन कुशीनगर जिलाधिकारी को दिया गया। जिसमें सवर्ण आयोग के गठन समेत तमाम मांग शामिल है। संगठन के प्रदेश प्रवक्ता पंडित जेके त्रिपाठी ने बताया कि प्रत्येक सरकार वर्ग विशेष जैसे पिछड़े, दलितों को आरक्षण देकर उन्हे प्रोत्साहित कर रही है। उनके जीवन स्तर में सुधार कर रही है। सर्वणों गरीबों के लिए कोई विशेष व्यवस्था नही। उन्हे भी अन्य गरीबो की तरह सुविधाए मिलनी चाहिए। ऐसे में सर्वणों के हित के लिए सर्वण आयोग का गठन अत्यन्त ही आवश्यक है। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा ने इसके लिए श्री त्रिपाठी की अगुवाई में बुधवार को कलेक्ट्रट पर प्रर्दशन कर जिलाधिकारी के माध्यम से मांग पत्र भेजा। श्री त्रिपाठी ने बताया कि ऐसी बहुत सी मांगें है जिन पर सरकार का रूख सन्तोष जनक नही है। उन्होने कहा कि सवर्ण आयोग का गठन कर सरकार, पंडितों, पुरोहितों, वाचकों, कर्मकांडियों को मासिक पेंशन दिए जाने, जिले में परशुराम पार्क बनाए जाने, मंदिरों में पूजा पाठ के लिए केवल ब्राह्मणों को अधिकार दिए जाने, लखनऊ में तुलसी शोध संस्थान स्थापित करने, माध्यमिक स्कूलों में 12वीं कक्षा तक संस्कृत विषय की पढ़ाई अनिवार्य करने और संस्कृत विद्यालयों में भर्ती प्रक्रिया पर लगी रोक हटाने आदि की मांग को पूरा नही करती है तो अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा इसके लिए चरणबद्ध आन्दोलन करेगा। अजय कुमार त्रिपाठी

बिना आधार कार्ड के नही दे सकेंगे बोर्ड परीक्षा

मऊ (ईएमएस)। यूपी बोर्ड की परीक्षा में वही छात्र और छात्राएं शामिल हो पाएगे जिनके पास आधार कार्ड होगा। कालेजों के प्रधानाचार्यों को यह सुनिश्चित करना होगा कि परीक्षा में बैठनेवाले सभी छात्रों के आधार कार्ड बने हैं। इस वर्ष 145 परीक्षा केंद्रों पर 120576 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक वी0पी0 सिंह ने गुरूवार को ईएमएस से बातचीत में बताया कि जिले में 14 राजकीय 67 सहायता प्राप्त तथा 314 वित्तविहीन विद्यालय हैं। बोर्ड परीक्षा को नकलविहीन संपन्न कराने के लिए 145 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। वर्ष 2018 में हाईस्कूल में बालक 41086, बालिका 27617 सहित 41086 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा देंगे। जबकि इंटरमीडिएट में बालक 27236, बालिका 22991 सहित 51592 परीक्षार्थी शामिल होंगे। बोर्ड परीक्षा में फर्जी परीक्षार्थियों पर नजर रखने के लिए शिक्षा विभाग ने आधार कार्ड अनिवार्य कर दिया है। नए नियम के तहत परीक्षार्थियों को इसके साथ परीक्षा केंद्रों पर पहुंचना होगा। प्रवेशपत्र के साथ आधार कार्ड न होने पर उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं मिलेगी। शासन की तरफ से पूर्व में राजकीय तथा सहायता प्राप्त कालेजों के बोर्ड परीक्षार्थियों के लिए आधार कार्ड अनिवार्य किया गया था। अब वित्तविहीन विद्यालयों के छात्र छात्राओं के लिए भी आधार कार्ड की अनिवार्यता लागू कर दिया है।

'लव जिहाद' के बाद अब 'लैंड जिहाद

मेरठ (ईएमएस)। मेरठ में विश्व हिन्दू परिषद ने अब लैंड जेहाद का मुद्दा उठाया है उनका कहना है कि मुस्लिम लोग हिन्दू इलाके में ऊंची कीमत देकर मकान खरीद लेते है उसके बाद वंहा इस्लामिक गतिविधियां चलाकर ओर लोगो को वंहा से सस्ती कीमत पर मकान बेच कर भागने पर मजबूर कर देते है ताजा मामला मेरठ के कोतवाली क्षेत्र का है जंहा कर्ज में घिरे एक सर्राफ ने ने पैसो के लालच में अपना मकान एक मुस्लिम को बेच दिया बाद में जब विरोध हुआ तो मकान का सौदा विवादों में फस गया विरोध के बाद एक संप्रदाय विशेष के व्यक्ति को खरीदा हुआ मकान वापस करना पड़ा। बता दें कि अभी तक मुस्लिम युवकों पर हिंदू लड़कियों को प्रेम जाल में फंसाकर शादी करने और धोखा देने के आरोप लगते रहे हैं। इसे वीएचपी, बजरंग दल सकई हिंदू संगठनों ने लव जिहाद का नाम दिया है। वेस्ट यूपी समेत पूरे देश में लव जिहाद के कुछ कथित मामले भी सामने आ चुके हैं। वीएचपी का आरोप है कि लव जिहाद की तरह अब 'लैंड जिहाद' को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना में 1000 शादी कराने का लिया है निर्णय

आजमगढ़(इएमएस)। जिले के गरीग व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी के लिए समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग एवं अल्प संख्यक कल्याण विभाग के माध्यम से मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना की शुरूआत की गई है। इस योजना में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/पिछड़ा वर्ग/सामान्य वर्ग/अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों का चयन किया जाएगा। इस योजना का लाभ लेने के लिए 5 जनवरी तक की सीमा तय की गई है। कम से कम 1000 सामूहिक शादी जनपद में कराने की योजना है, इसके लिए विकास खण्डवार, नगरपालिका एवं नगर पंचायतों को पात्रों के पंजीकरण कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी चंद्रभूषण सिंह ने गुरूवार को ईएमएस से बातचीत के दौरान बतया कि जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना की शुरूआत कर दी गई है। यह योजना पूरी तरह से गरीब और निराश्रित व्यक्तियों की बेटी की शादी को लक्ष्य बना कर शुरू की जा रही है। जिलाधिकारी ने योजना का लाभ लेने वाले व्यक्तियों की पात्रता के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कन्या के अभिभावकों का उ0प्र0 का मूल निवासी होना, कन्या/कन्या के अभिभावक निराश्रित/निर्धन एवं जरूरतमंद हो और आवेदक के परिवार की आय गरीबी रेखा के सीमा के अन्दर होना चाहिए। विवाह हेतु किए गये आवेदन में पुत्री की आयु शादी की तिथि को 18 वर्ष या उससे अधिक होना अनिवार्य है तथा वर के लिए 21 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली गयी हो। आयु की पुष्टि के लिए स्कूल शैक्षकि रिकार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र, मनरेगा जांबकार्ड, आधार कार्ड मान्य होगे। कम से कम 1000 सामूहिक शादी जनपद में कराने की योजना है, इसके लिए विकास खण्डवार, नगरपालिका एवं नगर पंचायतों को पात्रों के पंजीकरण कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी चंद्रभूषण सिंह ने गुरूवार को ईएमएस से बातचीत के दौरान बतया कि जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना की शुरूआत कर दी गई है। यह योजना पूरी तरह से गरीब और निराश्रित व्यक्तियों की बेटी की शादी को लक्ष्य बना कर शुरू की जा रही है। विवाह हेतु निराश्रित कन्या, विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांगजन अभिभावक की पुत्री जो स्वंय दिव्यांग हो को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी। जिलाधिकारी ने बताया कि एक जोड़े पर कुल रू0 35 हजार की धनराशि का व्यय निर्धारित है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में न्यूनतम 10 जोड़े होगे। उन्होने बताया कि आवेदन पत्र के अलावा विवाह पंजीकरण हेतु विवाह हेतु कन्या एवं वर को दो-दो फोटो पृथक से देना अनिवार्य होगा।

हितेश रबारी केस में प्रेमिका के खिलाफ मामला दर्ज

सूरत। छह महीने पहले दक्षणि गुजरात के नवसारी जिले के वीर स्टड फार्म हाउस में हितेश रबारी नामक शख्स ने कनपटी पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने छह महीने बाद हितेश रबारी की सूरत निवासी प्रेमिका के खिलाफ दफा 306 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

सूरत के जाने माने बिल्डर और करोड़ों के असामी हितेश रबारी ने दक्षणि गुजरात के नवसारी जिले की गणदेवी तहसील के गणदेवा गांव की सीमा स्थित वीर स्टड फार्म हाउस में 23 जून 2017 की रात करीब डेढ़ बजे अपनी कनपटी पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद हितेश के परिरजनों ने सूरत निवासी ज्योति सोलंकी नामक विवाहिता के खिलाफ शंका जाहिर की थी, परंतु ज्योति के खिलाफ ठोस सबूत नहीं मिलने की वजह से पुलिस उसके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज नहीं कर रही थी। परिजनों का कहना था कि सूरत के सिटी लाइट क्षेत्र निवासी ज्योति व्योमेश सोलंकी नामक विवाहित महिला से त्रस्त होकर हितेश रबारी ने आत्महत्या की थी।

हितेश और ज्योति के विवाहित होने के बावजूद दोनों के बीच नाजायज संबंध थे। ज्योति के पास दोनों की अश्लील क्लीपिंग थी, जिसे लेकर ज्योति, हितेश को ब्लेकमेल कर रही थी। ज्योति शादी करने या शादी नहीं करने पर एक फ्लैट और रुपयों देने का हितेश पर लगातार दबाव डाल रही थी। आत्महत्या से पहले हितेश ने अपने माता-पिता से रोते हुए बातचीत की थी, जिसमें उसने कहा था कि वह ज्योति नामक महिला की जाल में फंस गया है। हितेश ने अपने माता-पिता को मीर और परिवार को ध्यान रखने की विनती की और बाद में कनपटी पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। हांलाकि ये प्रमाण मामला दर्ज करने के पर्यात नहीं थे, जिसकी वजह से पुलिस रपट दर्ज नहीं कर रही थी। आखिरकार पुलिस ने हितेश का मोबाइल फोरेंसिक सायंस लेबोरेटरी भेज दिया, जहां से मिली रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने ज्योति सोलंकी के खिलाफ आईपीसी की दफा 306 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

गुजरात विधानसभा भंग

कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहेंगे रूपाणी

अहमदाबाद। गुजरात के राज्यपाल ओपी कोहली ने 13वीं विधानसभा को भंग कर दिया। विधानसभा भंग होने के साथ ही भाजपा के नेतृत्व में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया है।

राज्य विधानसभा सचिवालय की ओर से बुधवार को जारी अधिसूचना में कहा गया है, 'गुजरात के राज्यपाल ओपी कोहली ने 13वीं गुजरात विधानसभा को भंग कर दिया है।' अधिकारियों के मुताबिक, निर्वतमान मुख्यमंत्री विजय रूपाणी नई सरकार का गठन होने तक कार्यवाहक के रूप में काम करते रहेंगे। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 22 जनवरी 2018 तक था। गुजरात की 14वींविधानसभा में एक दर्जन से अधिक महिलाएं भी पहुंची हैं। इनमें कांग्रेस की दस तथा भाजपा की 4 महिलाएं शामिल हैं। गत विधानसभा में अकेले भाजपा की महिला विधायकों की संख्या 14 थी। भाजपा की महिला विधायकों में कच्छ भुज से डॉ नीमाबेन आचार्य, भावनगर से विभावरी दवे, गोंडल से गीताबा जाडेजा, खेडब्राम्हा से रमीला व्यारा, कालोल से सुमनबेन चौहाण, आकोटा से सीमा मोहिले, चौर्यासी से झंखना बेन पटेल, लिंबायत से संगीता पाटिल वडोदरा शहर से मनीषा वकील शामिल हैं जबकि कांग्रेस की महिला विधायकों में रापर से संतोकअरेठिया, वाव से जेनीबेन ठाकोर, ऊंझा से डॉ आशाबेन पटेल तथा गरबाडा से चंद्रिका बारिया शामिल हैं।

तीन मुस्लिम विधायक

गुजरात विधानसभा चुनाव में इस बार भी भाजपा ने किसी मुस्लिम को मैदान में नहीं उतारा लेकिन कांग्रेस ने चार मुस्लिम प्रत्याशियों को टिकट दिया जिनमें से तीन विजेता हुए हैं। जमालपुर खाडिया से इकबाल खेडावाला, दरियापुर से ग्यासुद्दीन शेख तथा वांकानेर से मौहम्मद पीरजादा चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं।

गुजरात उच्च न्यायालय ने सरकार को राज्य में स्थाई पुलिस महानिदेशक नियुक्त करने का आदेश दिया है। मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने आठ सप्ताह में यह नियुक्ति करने को कहा है, चुनाव के दौरान प्रमोद कुमार को कार्यकारी डीजीपी का कार्यभार सौंपा गया था।

याचिकाकर्ता प्रथू परिमल ने गुजरात उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर मांग की थी कि गुजरात सरकार लंबे समय से पुलिस महानिदेशक के पद पर स्थाई नियुक्ति नहीं कर रही है जिससे पुलिस विभाग का काम प्रभावित हो रहा है। पूर्व आईपीएस राहुल शर्मा ने भी पंजाब के पूर्व पुलिस महानिदेशक रिबेरो की ओर से ऐसी ही याचिका दाखिल कर फर्जी मुठभेड के आरोपी आईपीएस पी पी पांडे को कार्यकारी डीजीपी नियुक्त करने पर आपत्ति जताते हुए डीजीपी के पद पर स्थाई नियुक्ति की मांग की गई थी। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने सरकार को 8 सप्ताह में डीजीपी के पद पर स्थाई नियुक्ति के आदेश दिए हैं।

डिंडोली के मानसी रेसिडेंसी में महिला को बेहोश कर सोने के जेवर दो महिला फरार

सूरत। डिंडोली के मानसी रेसिडेंसील मेंस दो महिलाओं ने एक महिला को बातों में उलझाकर बेहोश करने के बाद उसेक पास से 92,500 रुपए का माल चोरी करके फरार हो गई।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मूलत: वाराणसी के निवासी और हाल में डिंडोली के मानसी रेसिडेंसी में रहने वाली राजमणि राव गत 16 दिसंबर को सुबह 11 बजे के करीब अपने घर में थी। उसी समय वहां आई और हिंदी में बात करते हुए कहींकि हमने मन्नत मांगी है और पैसे मांगकर देवी की मन्नत पूरी करनी है। इस लिअ तुम हमको 21 रुपए दान करो। ऐसा कहकर वे वश्विास में लेने के बाद कोई वस्तु सुघांकर बेहोश करके उसके पास से नकद 35000 रुपए तता सोने-जांदी के जेवर सहित कुल 92500 रुपए का माल लेकर वहां से फरार हो गई। जाते समय दोनों महिलाएं धमकी देती गई कि इस बात को किसी से कहोगी तो तुम्हारे घर में किसी की अकाल मौत हो जाएगी।

घटना की जानकारी महिला ने अपने पति को दी तो उसने डिंडोली पुलिस में ठी का मामला दर्ज कराया। पुलसि रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

दुकान में शराब बेचने वाला व्यापारी गिरफ्तार

सूरत। डभोली की राधे रेसिडेंसी में दुकान की आंड़ में शराब बेचने वाले दुकानदार को पीसीबी पुलिस ने छापा मारकर 51350 रुपए की शराब और बीयर के साथ गिरफ्तार करके उसके खिलाफ कानूनी कार्वावाई शुरू की है। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीसीबी पुलिस ने मलि गोपनीय जानकारी के आधार पर गुरुवार को शाम 5 बजे के करीब डभोली हरदिर्शन के समीप राधे रेसिडेंसी के बाहर आने वाली दुकान नं. 4 में छापा मारकर दुकान की आंड़ में शराब व बीयर बेचने वाले जगजीतसिंह गोहिल (अखंड आनंद सोसाइटी डभोली रोड) को 51350 रुपए की शरबा और बीयर के साथ दबोच लिया। पीसीबी की इस कार्रवाई से चौक बाजार पुलिस भी हैरत में पड़ गई। पीसीबी ने मामले का हवाला चौक बजार पुलिस को दे दी। चौक पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके जांच कर रही है।

उमरवाडा में पिता-पुत्र पर हुए हमले में पुत्र की इलाज के दौरान मौत

मारपीट का मामला पुलिस ने हत्या में बदल कर की रिपोर्ट दर्ज

सूरत। उमरपाडा वाडी गांव में पति पत्नी के बीच हुए झगड़े के बीच समझौता करने गए एक व्यक्ति पर लाठी से किए गए हमला में घायल होने के बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उमरवाडा पुलिस ने मारपीट के दर्ज हुए मामले को अब हत्या में बदलकर दर्ज करके आगे की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उमरवाडा तालुका के वाडी गाम पंचायत फलिया में शरीलाल फकीरभाई वसावा और शाहीलाल वसावा रहते हैं। शारीलाल का पुत्र प्रशांत अपनी पत्नी के साथ झगड़ा करता रहता था। इस दौरान पिता शारीलाल वसावातथा उनके एक मित्र नै उसे समझाने गए तो प्रशांत ने तैश में आकर लाठी से अपने पिता और उनके मित्र संदीप पर हमला करके घायल कर दिया। संदीप को इलाज के लिए असपताल में ले जाया गया। जहां पर संदीप की इलाज के दौरान मौत हो गई। जिससे पुलसि ने मारपीट के झगड़े को हत्या में तब्दील करके रिपोर्ट दर्ज करके आगे की जांच शुरू की है।

मलि की लिफ्ट में करंट लगने से कारीगर की मौत

सूरत। तातीथैया गांव में स्थित जिंदल नामक मिल में सोए एक युवा कारीहर को बिजला का करंट लगने से करुण मौत हो गई। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जोलवा गांव के अनुराग सोसाइटी में रहने वाले और ताती थैया गांव की जिंदल मिल में काम करने वाला आकाश कुस्वाहा (18 वर्ष) रात के समय काम करने के बाद थकावट के कारण वहां की मिल में लगी लिफ्ट में ही सो गया था। कुछ समय के बाद लिफ्ट अचानक ही चालू हो गई और उसमें बिजली का करंट लगने से उसकी करुण मौत हो गई। घटना के बारे में कडोदरा पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

खुले घर में से चोर 74 हजार का माल साफ कर ले गए

सूरत।नानपुरा हिजड़ावाड स्थित एक खुले घर में चोर प्रवेश करके वहां से 74 हजार रुपए का माल चोरी करके फरार हो जाने की रिपोर्ट अठवा पुलिस में दर्ज कराई गई है।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार नानपुरा के बड़ेखा चकला स्थित हिजड़ावाड घर नं. 1/425 में भावकिाबेन रमेश चुडासमा रहती हैं। उनके खुले दरवाजे के रास्ते चोर घर में प्रवेश कर गए और कबाट के बगल में रखे गए लाकर को तोड़कर उसमें से 19000 रुपए नकद तथा अन्य जेवर सहित कुल 74 हजार का माल चोरी करके फरार हो गए। भावकिाबेन ने चोरी होने के संदर्भ में अठवा पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई हैं। पुलिस मामले को दर्ज करके जांच कर रही है।

सीएम और डिप्टी सीएम ने राज्यपाल को सौंपा इस्तीफा

गांधीनगर (ईएमएस)। राज्यपाल की ओर से गुजरात विधानसभा के विसर्जन की अधिसूचना जारी किए जाने के बाद आज मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। गांधीनगर स्थित राजभवन में मुख्यमंत्री रूपाणी ने मंत्रिमंडल के साथ अपना इस्तीफा राज्यपाल ओपी कोहली सौंप दिया। हांलाकि विजय रूपाणी फिलहाल कार्यकारी मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा जीत जरूर गई है, लेकिन गत चुनाव के मुकाबले उसे सीटें कम मिली है। जीत के बाद भाजपा ने अब राज्य में नई सरकार बनाने की दिशा में कवायद तेज कर दी है। 22 दिसंबर को भाजपा के विधायकों की बैठक होगी। प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम में होनेवाली यह बैठक केन्द्रीय निरीक्षक अरूण जेटली और सरोज पांडेय के नेतृत्व में होगी, जिसमें गुजरात के नए मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम मुहर लगाई जा सकती है। फिलहाल तो माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री के तौर पर विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री के रूप में नितिन पटेल का नाम पक्का है। हांलाकि उनके नेतृत्व में भाजपा को 150 सीटें नहीं मिली, जिसकी वजह से भाजपा अब गुजरात में नेतृत्व परिवर्तन कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक भाजपा को सौराष्ट्र और उत्तरी गुजरात में कम सीटें मिली हैं, जिसके देखते हुए 2019 के लोकसभा चुनाव में इन दोनों मंडलों में अधिक मेहनत करने की जरूरत है। इस कारण फिलहाल मुख्यमंत्री पद का चयन टल सकता है। यदि पटेल को मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो हार्दिक पटेल फिर एक बार अपने आंदोलन को तेज कर सकते हैं। इन सबके बीच गुजरात के मुख्यमंत्री पद के लिए विजय रूपाणी, नितिन पटेल, मनसुख मांडविया, पुरषोत्तम रूपाला और कर्नाटक के वर्तमान राज्यपाल वजूभाई वाला, गणपत वसावा और जीतु वाघाणी का नाम चर्चा में है। हांलाकि मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम मुहर तो पार्टी हाईकमांड ही लगाएगी। भाजपा के लिए 2019 के लोकसभा चुनाव काफी अहम हैं, उस पर भी कल होनेवाली बैठक में चर्चा की जाएगी और उसके बाद ही मुख्यमंत्री का नाम तय किया जाएगा। जानकारी है कि उत्तर प्रदेश की तर्ज पर गुजरात में भी दो उप मुख्यमंत्री बनाए जा सकते हैं।

पटियाला कोर्ट ने ए राजा को किया दोष मुक्त

कांग्रेसियों ने किया फैसले का स्वागत

सूरत। पांडेसरा इलाके के जिद्दी बड़े हनुमान मंदिर परिसर में गुजरात प्रदेश अन्य भाषा-भाषी सेल प्रदेश मंत्री राम सुरेश बी पांडेय की अध्यक्षता में एक बैठक गुरूवार दोपहर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री पांडेय ने कहा कि पटियाला सीबीआई कोर्ट ने टू जी एक्सपेक्ट्रम घोटाले में उनका नाम आया था। मामला सीबीआई कोर्ट पटियाला में चल रहा था। सीबीआई कोर्ट पटियाला ने मनमोहन सिंह सरकार में तत्कालीन दूरसंचार कैबिनेट मंत्री ए. राजा के पर घोटाले का आरोप लगा। भाजपा की ओर से कांग्रेस पार्टी में ए. राजा को सबसे बड़े घोटाला करने वाला बता रहे थे। लेकिन नई दिल्ली स्थित पटियाला सीबीआई कोर्ट ने ए राजा को दोष मुक्त कर भाजपा को करारा जबाव दिया है। बैठक में दुर्गा दत्त अग्रवाल, उमासिंह, गोपाल तिवारी, बुद्धिराम तिवारी, सुरेश बिंद, भुल्लन दूबे, पं. रामबली दूबे, रामजीत मिश्रा सहित काफी तादाद में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

जैनमुनि शांति सागर की ओर से बलात्कार मामले में जमानत की याचिका दायर

याचिका पर सुनवाई आज

सूरत। जैन मुनि शांति सागर महाराज ने दुष्कर्म मामले में जमानत के लिए अपने अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट में याचिका दाखिल की। कोर्ट में मामले की सुनवाई शुक्रवार को होगी। दिगम्बर जैन समाज के मुनि शांति सागर महाराज द्वारा नानपुरा स्थित उपाश्रय में वडोदरा निवासी युवती के साथ दुष्कर्म करने का आरोप अठवा थाने में दर्ज हुआ था। मामले में पुलिस शांति सागर को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की। इस समय शांति सागर न्यायिक हिरासत में लाजपोर की जेल में निरूद्ध हैं। उन्होंने अपने अधिवक्ता कल्पेश देसाई व प्रज्ञेश सरैया के माध्यम से कोर्ट में जमानत के लिए याचिका दाखिल की। याचिका पर सुनावाई शुक्रवार को होगी।

जहरीली दवाई पीकर बुआ-भतीजी ने आत्महत्या कर ली

राजकोट (ईएमएस)। जिले के खामटा गांव के खेत मजदूरी करनेवाले आदिवासी परिवार की बुवा-भतीजी ने किसी कारण से जहरीली दवाई पीकर आत्महत्या कर ली। स्थानीय पडधरी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मध्य प्रदेश के काटकुवा के मूल निवासी खीतुभा लखिया आदिवासी छह महीने से राजकोट जिले की पडधरी तहसली के खामटा गांव में रवजीभाई कालाभाई डोबरिया के खेत में मजदूरी करते हैं। रायसंग के साथ उनकी पत्नी शाबाई, पुत्री और दो पुत्र के अलावा मामा जोरावर भूरिया और उनका पुत्र हरेश, पत्नी तथा पुत्री भी साथ रहते हैं। रायसंग के मुताबिक कल रात 8 बजे भोजन करने के बाद उनकी पुत्री और उनके मामा की पुत्री घर पर सो गई हैं, अन्य सभी लोग खेत में पानी लगाने चले गए।

भूपेन्द्र चूडास्मा हो सकते हैं विधानसभा अध्यक्ष

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव में जीत के बाद भाजपा नई सरकार के गठन की तैयारियां कर रही है। जिसमें विधानसभा अध्यक्ष को लेकर चर्चा जारी है। माना जा रहा है कि पूर्व शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा को गुजरात विधानसभा अध्यक्ष बनाया जा सकता है। 1990 से 2017 तक एक छोड़कर सभी चुनाव जीतने वाले भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने रूपाणी सरकार में शिक्षा मंत्री थे। इसके अलावा दक्षणि गुजरात के गणपत वसावा का नाम विधानसभा अध्यक्ष पद को लेकर चल रहा है। गणपत वसावा का नाम उप मुख्यमंत्री पद को लेकर भी चल रहा है। फिलहाल दोनों के नाम पर चर्चा है और जल्द ही किसी एक नाम पर अंतिम मुहर लग जाएगी। 22 दिसंबर को भाजपा नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक होने जा रही है। केन्द्रीय निरीक्षक अरूण जेटली और सरोज पांडेय के नेतृत्व में होनेवाली इस बैठक मंम मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com